वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1530

(जिसका उत्तर 04 माच, 2016/14 फाल्गुन, 1937 (शक) को दिया जाने वाला है)

नोट का मुद्रण

1530. श्री जोस. के. मणि:

डॉ. उदित राज:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने का कृपा करगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय रिजव बक से कहा है कि वह भारतीय कागज और भारतीय स्याहा म मुद्रा नोटा का मुद्रण करे तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा नोट के मुद्रण के लिए लागत और कागज का अपेक्षित गुणवत्ता का ब्यौरा क्या है व आरबीआई का इस पर क्या प्रतिक्रिया है;

(ख) क्या आरबीआई ने पहले हा कुछ गुणवत्ता संबंधी समस्याओं के कारण विदेशा से मुद्रा के मुद्रण को निरस्त करने का निणय लिया था एवं यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) औसत मात्रा का ब्यौरा क्या है तथा मुद्रा कागज का देश म आयात का मूल्य कितना है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय म राज्य मंत्री (श्री जयंत सिन्हा)

(क): सरकार ने बक नोटा के उत्पादन का देशीकरण करने का निणय लिया है। एक नई बक नोट पेपर लाइन प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद म कायरत है। दो नई बक नोट पेपर लाइन बक नोट पेपर मिल इंडिया लिमिटेड, मैसूर म स्थापित का गई ह। नई पेपर मशीना के स्थायीकरण के पश्चात लागत का पता लगेगा। बक नोटा के मुद्रण हेतु कागज का गुणवत्ता अनुमोदित विशिष्टताओं के अनुसार है। ऑप्टिकल वैरियेबल इंक (ओवीआई) के सिवाय, बक नोटा के मुद्रण के लिए अपेक्षित स्याहा भारत म निर्मित का जा रहा है। बक नोट प्रेस (बीएनपी), देवास (एसपीएमसीआईएल का इकाई) स्थित स्याहा कारखाना बीएनपी, देवास तथा करसी नोट प्रेस (सीएनपी), नासिक (एसपीएमसीआईएल का इकाईयां) म बक नोट उत्पादन के लिए इन स्याहियां का संपूण (कैपाटव) खपत हेतु आत्मनिभर है।

(ख): पिछले दस वर्षा के दौरान, करसी नोटा का आयात नहा किया गया है।

(ग): प्रतिवष अपेक्षित औसत कागज 25000 एमटा है जिसका मूल्य लगभग 15000 करोड़ रूपए है।

*****